ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:09.08.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-08-09 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	10/08/2024	11/08/2024	12/08/2024	13/08/2024	14/08/2024
वर्षा (मीमी)	25.0	50.0	20.0	30.0	45.0
अधिकतम तापमान(से.)	20.0	19.0	18.0	19.0	18.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	16.0	15.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिकआर्द्रता(%)	95	95	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	75	75	75	75
हवा की गति (किमी प्रतिघंटा)	6	6	6	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	90	90	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	8	8	8	8

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 20-50 मिमी की हल्की से मध्यम वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमश: 18.0-20.0oC और 15.0-16.0oC के बीच भिन्न होने की भविष्यवाणी की गई है। दक्षिण-पूर्व और पूर्व से 6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की उम्मीद है। 10 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 9, 11 और 13 अगस्त को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। 12 अगस्त, 2024 को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 10 और 13 अगस्त के लिए नैनीताल में अलग-अलग स्थानों पर बिजली के साथ भारी बारिश/आंधी के साथ बिजली/बहुत तीव्र बारिश होने के संबंध में पीली चेतावनी जारी की गई है। 9 से 13 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर बिजली के साथ आंधी तूफान आने के बारे में चेतावनी जारी की गई है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.35 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 09.08.2024 से 15.08.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, सामान्य से नीचे अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हल्की से मध्यम वर्षा होने की उम्मीद है, इसलिए जल निकासी को बनाए रखा जाना चाहिए और खेती के तरीकों को उसी के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
धान	वानस्पतिक	जेठी चावल में, खरपतवार निकाल दें और बारिश के बाद जब मिट्टी की नमी अच्छी हो, तो यूरिया 1 .25 किलोग्राम प्रति फ़रो की दर से टॉप-ड्रेसिंग करें। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और पूर्वानुमान के अनुसार खेती की सभी गतिविधियों को निर्धारित किया जाना चाहिए।
मक्का	अंकुरण/ वानस्पतिक	मक्का के 2 फीट लंबा हो जाने पर यूरिया की टॉपड्रेसिंग करें। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रानीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और फिलहाल सिंचाई से बचना चाहिए। कृषि की सभी गतिविधियाँ जैसे यूरिया का अनुप्रयोग या स्प्रे उसी के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।
रागी	अंकुरण/ वानस्पतिक	फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
सोयाबीन	अंकुरण/अंकुर विकास	फसल में नियमित निराई-गुड़ाई की जानी चाहिए और उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए। फसल खराब होने की स्थिति में, पूर्वानुमान के अनुसार बुवाई का कार्य निर्धारित किया जाना चाहिए।
मूंग	बुवाई	खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर/शिमला मिर्च/बैंगन	तुड़ाई	फसलों की निरंतर तुड़ाई की जानी चाहिए और खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए।
फूलगोभी	रोपाई	गोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नोल-खोल की शुरुआती किस्मों के साथ-साथ मूली और शलजम जैसी जड़ वाली फसलों का प्रत्यारोपण मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में किया जा सकता है, लेकिन खेत में पर्याप्त नमी के बाद ही किया जा सकता है। पूर्वानुमानित वर्षा के अनुसार उचित जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
कद्दू वर्गीय सब्जियां	तुड़ाई	कद्दू वर्गीय सब्जियों की तुड़ाई की गयी उपज को तुरंत बाजार में भेजा जाना चाहिए और खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए।
आम	बुवाई	आम के बीज/गुठली की बुवाई का कार्य अगस्त के पहले पखवाड़े में जारी रखना चाहिए। एक साल पुराने अंकुर के पौधे को किसी अन्य स्थान पर रोपने के बाद उसकी ग्राफ्टिंग की जानी चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार खेती की गतिविधियों को निर्धारित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	जुलाई का महीना प्रसव का है तो पशु के प्रसव के समय उनपर लगातार निगरानी रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से साफ-सफाई करके यूटरोटाने/ हरीरा/ गाइनोटोन नामक दवा में से किसी एक दवा की 200 मिली मात्रा सुबह शाम तीन दिनों तक गर्भाशय की सफाई हेतु देनी चाहिए। बरसात के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2 -3 बार सफाई करनी चाहिए।
बकरी	छोटे रोमन्थी पशुओं, जैसे भेड़, बकरी एवं नवजात गो वत्स को बरसात के दिनों मे भीगने से बचाना चाहिए ताकि उनको सर्दी/ जुकाम/न्यूमोनिया नामक बीमारी न हों।